13.00 hrs.

Title: Need to roll back the increased tariff on landline telephones.

श्री चन्द्रकांत खैरे (औरंगाबाद, महाराट्र) : अध्यक्ष महोदय, एक मई से लैंडलाइन फोन से सैल्यूलर पर फोन करने के चार्जेज बढ़ गये हैं। अभी ट्राई ने बताया और अखबारों में भी आया है कि मोबाइल फोन से मोबाइल फोन पर इंकमिंग कॉल फ्री हैं। यह सुविधा होने के बाद लोग लैंडलाइन फोन कम लेंगे। अगर हम लैंडलाइन फोन से मोबाइल पर फोन करेंगे तो तीन मिनट के सात रुपये बीस पैसे लगते हैं यानि यह 6 पाइंट बढ़ गये हैं। होगा यह कि लोग मोबाइल फोन से मोबाइल पर बात करेंगे और मोबाइल फोन ज्यादा खरीदेंगे। हो सकता है कि यह सब मोबाइल फोन वालों ने किया हो या बीएसएनएल और एमटीएनएल के ऑफिसरों ने किया हो। एमटीएनएल और बीएसएनएल के रेट बढ़ने से लोग उनके फोन कम यूज करेंगे। मासिक किराया 250 रुपये होने के कारण लोग लैंडलाइन फोन यूज कम करेंगे। इसका मतलब यह है कि बीएसएनएल घाटे में जाएगा और घाटे में जाने पर विनिवेश में जाएगा। बीएसएनएल के माननीय मंत्री भी वे ही हैं जो विनिवेश के माननीय मंत्री हैं। उसमें कुछ चालबाजी तो नहीं है कि बीएसएनएल घाटे में जाएगा तो बाद में उसे बेच देंगे। यह सर्वसाधारण जनता के साथ अन्याय है। इसलिए 250 रुपये का मासिक किराया जो है वह कम किया जाए और लैंडलाइन फोन पर जो रैंट पहले लगता था वही रहने दिया जाए। पहले 75 कॉल्स फ्री थीं और अब 30 कॉल्स फ्री हैं। इसके लिए हम शिवसेना वाले भी प्रदर्शन करने वाले हैं। पहला घेराव तो हम अपने मंत्री जी का करने वाले हैं क्योंकि वे विनिवेश के भी मंत्री हैं। यह बात ठीक नहीं है और यह देश के लोगों पर बहुत बड़ा आघात है।